

डॉ. रॉबर्ट यारबरो पास्टोरल एपिस्टल्स सत्र ८ ८ तीमुथियुस ८:२२-३:१७

© 2024 रॉबर्ट यारबरो और टेड हलिडेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट डबल्यू. यारबरो, देहाती धर्मपुत्रों, देहाती नेताओं और उनके अनुयायियों के लिए प्रेरतिक निर्देश पर अपने शक्तिषण में हैं। सत्र 10, 2 तीमुथियुस 2:22-3:17.

हम देहाती पुत्रों, देहाती नेताओं और उनके अनुयायियों के लिए प्रेरतिक निर्देशों पर अपना नजरिया जारी रखते हैं।

और अब हम 2 तीमुथियुस अध्याय 2 श्लोक 20 से शुरुआत कर रहे हैं। और यह 2 तीमुथियुस का एक खंड है, जो एनआईवी शीर्षक के अनुसार, पॉल झूठे शक्तिषकों से नपिट रहा है। और श्लोक 20 और 21 में, उनके पास एक छोटा सा रूपक है, जैसे पहले अध्याय में, उनके पास सैनिक, एथलीट और किसान का रूपक था।

अब उसके पास, आप कह सकते हैं, बरतन, कूड़ेदान या कंटेनर के बारे में एक रूपक है। वह कहते हैं, एक बड़े घर में न केवल सोने और चांदी के सामान होते हैं, और हम इन बरतन के रूप में सोच सकते हैं, बल्कलिकड़ी और मट्टी के भी। कुछ विशेष प्रयोजनों के लिए हैं और कुछ सामान्य उपयोग के लिए।

तो, आप फूलदान या फूलों के फूलदान के बारे में सोच सकते हैं। यह चांदी हो सकता है। यह एक विशेष उद्देश्य है।

लेकिन फिर वहाँ कूड़ादान है, वह सामान्य उपयोग के लिए है। एक बड़े घर में चीजें इसी तरह होती हैं। आपके पास विभिन्न प्रकार के कंटेनर हैं।

जो लोग स्वयं को सामान्य उपयोग से शुद्ध करते हैं, वे विशेष प्रयोजनों के लिए साधन बनेंगे, पवित्र बनाए जाएंगे, गुरु के लिए उपयोगी होंगे और कोई भी अच्छा काम करने के लिए तैयार होंगे। और फिर वह तीमुथियुस की ओर मुड़ता है और कहता है, युवावस्था की बुरी अभिलाषाओं से भागो और धार्मिकता का पीछा करो। हमने यह पैटर्न पहले भी देखा है।

इससे भागो, लेकिन उसका पीछा करो। मैं इसे सकारात्मक नैतिकता कहता हूँ। आप शरीर को अपमानित करते हैं, न केवल जो गलत है उसे नकार कर, बल्कि उससे मुँह मोड़कर, जल्दबाजी में पश्चाताप करके और जो अच्छा है उसका पीछा करके।

उन लोगों के साथ धर्म, विश्वास, प्रेम और शांति का अनुसरण करो जो शुद्ध हृदय से प्रभु को पुकारते हैं। दूसरे शब्दों में, पूर्ण अर्थों में चर्च में शामिल हों। उन लोगों से जुड़ें जिनका हृदय शुद्ध है।

यीशु, धन्य हैं वे जो दिल के शुद्ध हैं। परमेश्वर की खोज में परमेश्वर के लोगों से जुड़ें। मूर्खतापूर्ण और मूर्खतापूर्ण तरीकों से कोई लेना-देना न रखें, क्योंकि आप जानते हैं कि वे झगड़े पैदा करते हैं।

और प्रभु का सेवक झगड़ालू न हो, परन्तु सब के प्रतिद्वन्द्वी हो, शक्ति देने में समर्थ हो, करोधी न हो। लड़के, क्या यह कठिन है, लेकिन यह वहाँ है। वरिधियों को नरमी से हृदयपूर्वक देनी चाहिए।

असल में, मुझे लगता है कि शायद वहाँ कम से कम एक छिपी हुई अनविद्यता है, लेकिन हम इसे वैसे ही लेंगे जैसे यह है। वरिधियों को इस उम्मीद में धीरे से निर्देश दिया जाना चाहिए कि भगवान उन्हें पश्चात्ताप प्रदान करेंगे, उन्हें सच्चाई का ज्ञान देंगे, और वे अपने होश में आ जाएंगे और शैतान के जाल से बच जाएंगे, जिसने उन्हें अपनी इच्छा पूरी करने के लिए बंदी बना लिया है। हमारे अवलोकन, और मैं यहाँ अपनी स्क्रीन को विभाजित करूँगा ताकि हम श्लोक के साथ-साथ अवलोकन भी देख सकें।

हम बस पहुँच गए। ठीक है, अवलोकन. जब मैं श्लोक 20 और 21 पढ़ता हूँ, तो मैं 1 कुरनिथियों 12 के बारे में सोचता हूँ, जहाँ पॉल बात करता है कि हम शरीर के सदस्य हैं, और तुम्हारे पास कान हैं, और तुम्हारे पास आँखें हैं, और कान कुछ नहीं कहते आँख से नहीं कहता, मुझे तेरी जरूरत नहीं, और आँख पैर से नहीं कहती, मुझे तेरी जरूरत नहीं।

हम सभी को एक दूसरे की जरूरत है. और फिर वह आगे बढ़ता है, और कहता है, शरीर के कुछ ऐसे हिस्से हैं जिनके बारे में हम बात नहीं करते हैं, लेकिन वे भी बहुत आवश्यक हैं। और इसलिए, वह कह रहे हैं कि चर्च में, हमें यह महसूस करने की आवश्यकता है कि हमें हर उस व्यक्तियों की पुष्टि करने की आवश्यकता है जो मसीह के शरीर का सदस्य हैं।

और स्क्रीन पर, मैंने वाक्यांश का उपयोग किया, यह सभी प्रकार का होता है। कभी-कभी अमेरिकी अंग्रेजी में, हम एक प्रकार का अधूरा या सीमांत व्यक्तियों देखेंगे, लेकिन हमें एहसास होता है कि वे भी इसका हिस्सा हैं। और हम कहेंगे, ठीक है, इसमें सभी प्रकार की आवश्यकता होती है।

लोग, समाज सभी प्रकार के लोगों से मिलकर बनता है। चर्च सभी प्रकार के लोगों से बना है। लेकिन पॉल श्लोक 20 और 21 में कह रहा है, हमें फूलों के गुलदस्ते बनने का प्रयास करना चाहिए, कूड़ेदान नहीं।

श्लोक 20, जो लोग सामान्य उपयोग से स्वयं को शुद्ध करते हैं वे विशेष प्रयोजनों के लिए उपकरण होंगे, पवित्र बनाए जाएंगे, उपयोगी होंगे, और वह यहाँ नरिक्श शब्द का उपयोग करता है, क्योंकि वह घरेलू स्वामी के बारे में बात कर रहा है। वह एक सादृश्य बना रहा है, जो गुरु के लिए उपयोगी है और हर अच्छे काम के लिए तैयार है, या एनआईवी कहता है, किसी भी अच्छे काम को करने के लिए तैयार है। तो, यह बस वहीं लटका हुआ है।

यह अपने आप में एक अनुच्छेद है। लेकिन मुझे लगता है कि यह क्या है, यह एक रूपक है। यह एक सादृश्य है जो 22 और उसके बाद के लोगों के लिए जमीन तैयार करता है।

वह तीमथियस से कहने जा रहा है, विशेष प्रयोजनों के लिए अपने आप को शुद्ध करो। अपने आप को ईश्वर के प्रति अपने समर्पण और अपनी पवित्रता की पुनःपुष्टि करने की अनुमति दें। तो, भागो और पीछा करो।

और मैं पहले ही कह चुका हूँ, हम आत्मा में चलकर शरीर को नकारते और उसकी अवहेलना करते हैं, न कि केवल पाप से बचकर। व्यावहारिक रूप से कहें तो, आपका एक बच्चा है, आपका एक छात्र है, और आपके पास कोई है जिसके साथ आप चर्च में काम कर रहे हैं। कई बार लोग

कमजोरियों से जूझते हैं और अनुग्रह का एक साधन जो उन्हें मलिंगा वह यह है कि यदि आप उनके लिए उस ऊर्जा को नकारात्मक दशा में ले जाने का कोई रास्ता खोज सकें जो वे खर्च कर रहे हैं।

आप उस ऊर्जा को सकारात्मक दशा में कैसे तैनात कर सकते हैं? क्योंकि पाप एक ईश्वर प्रदत्त प्रेरणा है जिसका उपयोग गलत तरीके से किया जाता है। और अक्सर आप ड्राइव से इनकार नहीं कर सकते। यह वहां है।

यह आपके मेकअप का हसिसा है, ठीक है, हम उस अभियान को पवित्र उद्देश्यों की ओर कैसे मोड़ सकते हैं? और, विवाद से भागने की इच्छा, यीशु ने कहा, शांति स्थापित करने वाले धन्य हैं। और कभी-कभी हमें खुद को खाली करने की जरूरत होती है।

वास्तव में, पॉल कहते हैं कि कुछ चीजों से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए, ऐसे समय आते हैं जब हमें किसी स्थिति को खाली करने की आवश्यकता होती है। इस अर्थ में, हमें इससे भागने की जरूरत है।

यह अच्छा था जब यूसुफ पोतीपुर की पत्नी को छोड़कर भाग गया। लेकिन जो प्रेरणा हमें बुरे काम करने के लिए प्रेरित करती है उसे अच्छी दशा में मोड़ा जा सकता है। और फिर, कुछ मामलों में तीमथियुस के लिए भागने की उस ऊर्जा को वरीध करने और दृढ़ता से खड़े रहने और उन लोगों के साथ हस्तक्षेप करने के लिए पुनः नियोजित करने की आवश्यकता है जिन्हें इन झूठे शक्तिशाली द्वारा नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

तो, युवाओं की बुरी इच्छाओं से बचने और शुद्ध हृदय से उन इच्छाओं को ईश्वर की दशा में मोड़ने के लिए इस परिपद में बहुत सारी बुद्धिमत्ता और बहुत सारी चतुराई है। तीसरा, संघर्ष से निपटना मुश्किल है। और श्लोक 23 से शुरू होकर, हमारे बीच संघर्ष है।

हमारे पास मूर्खतापूर्ण और मूर्खतापूर्ण तरक हैं जो झगड़े पैदा करते हैं। और संघर्ष से निपटने के लिए सखाने के लिए ज्ञान की आवश्यकता होती है। प्रभु के सेवक को झगड़ालू नहीं बल्कि सबके प्रति दयालु होना चाहिए।

वह किस तरह का दखिता है? सखाने में सक्रिय। आप ऐसे लोगों को जानते हैं जो गलत दशा में जा रहे हैं, मान लीजिए कि कुछ हद तक उनका उद्देश्य अच्छा है, उन्हें पुनर्निर्देशित कैसे किया जा सकता है? अच्छा, यीशु ने क्या किया? उन्होंने उन्हें बहुत सी बातें सिखायीं। उन्होंने निर्देश दिया।

तो इसके साथ-साथ पुढ़ाने में सक्रिय, और फिर हमारे पास ऐसी चीजें हैं जो हमेशा शक्तिशाली के साथ मेल नहीं खाती हैं। मेरा मतलब है, कभी-कभी शक्तिशाली बहुत कठोर होते हैं। और कभी-कभी शक्तिशाली अपने छात्रों के प्रति काफी उदासीन होते हैं।

वे मुख्य रूप से अपने विषय में रुचिर रखते हैं। छात्रों को वह पकड़ने की जरूरत है जो वे कर सकते हैं। खैर, उन्हें संयम और दयालुता के साथ-साथ विद्वेष से मुक्ति और नम्रता और इंजीलवादी करुणा सखाने की जरूरत है जो रूपांतरण की फसल काट सकती है।

लक्ष्य लोगों की मुक्ति है। लोग, यदि वे इतने गुमराह हैं कि वे खो सकते हैं, तो वे सुसमाचार का वरीध कर रहे हैं। लक्ष्य इस उम्मीद में जगह बनाना है कि भगवान उन्हें पश्चात्ताप प्रदान करेंगे।

टी हैट के लिए बहुत सारा प्यार चाहिए। सुसमाचार के वरिधियों के पश्चाताप की वास्तव में इच्छा करने के लिए ईश्वर की कृपा की आवश्यकता होती है। यह सोचना आसान है, अगर मैंने साबित कर दिया कि वे गलत हैं तो मैंने अपना काम कर दिया है।

और मैं हर किसी को दिखाता हूँ, अगर मैं उन्हें दिखाता हूँ, तो यह प्रलोभन हो सकता है। लेकिन जब आप यीशु के जुनून सप्ताह का भी अध्ययन करते हैं, जब यीशु का वरिध बढ़ रहा था, तब भी वह लोगों से मुक्ति के लिए बात कर रहा था। वह लोगों की नदि नहीं कर रहे थे।

1 पतरस इस बात को बड़ी बड़ी बात मानता है, कजिब उसका अपमान किया गया, तो उस ने बदले में अपमान नहीं किया। उन्होंने शकिषक और चरवाहे के रूप में अपनी स्थिति बिनाए रखी। और उसने सही काम करने के लिए अपने आप को परमेश्वर का सौंप दिया।

यह बलिकूल वही है जो पॉल यहां कह रहा है, और वह इसे टिमोथी नाम के एक पादरी के लिए एक अलग मुहावरे में रख रहा है। लेकिन यह मसीह जैसी तस्वीर है, जो किसी ऐसे व्यक्ति की है जो झगड़ालू नहीं है, लेकिन दयालु है और सखिने में सकषम है और क्रोधी नहीं है। और मैं संयम शब्द का उपयोग इसलिए करता हूँ क्योंकि मुझमें अक्सर इसकी कमी होती है।

जैसा कि मैंने इसे पढ़ा, मुझे कुछ आदान-प्रदानों पर शर्म आ रही है, मुझे पता है कि मैं इसका हसिसा रहा हूँ, मैं अपने जीवन में पीछे मुड़कर देखता हूँ। ऐसी कुछ चीजें हैं जो मैंने कही हैं, जो मैंने लिखी हैं, मेरी प्रतिक्रियाएँ हैं, और वे सही नहीं हैं। और वे उत्पादक नहीं हैं।

हो सकता है कि वे इस समय अच्छा महसूस कर रहे हों, लेकिन वे उत्पादक नहीं हैं। और इसलिए, ये चीजें बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पॉल झूठे शकिषकों से नपिटने के बारे में बात करता है। अब हम अध्याय 3 में आगे बढ़ते हैं, लेकिन हम अभी भी झूठे शकिषकों के इस शीर्षक के अंतर्गत हैं।

एनआईवी कहता है, लेकिन इसे चहिनति करें, और यह ग्रीक में जानें, इसे जानें शब्द के पांच या छह उपयोगों में से एक है। अंतमि दनों में भयानक समय आएगा। और इस प्रकार की बात फरि 1 तीमुथियुस की प्रतधिवन है, और अन्तमि दनि अब हैं।

लोग होंगे, और हम कह सकते हैं और हैं, स्वयं के प्रेमी, धन के प्रेमी, घमंडी, घमंडी, अपमानजनक, अपने माता-पिता के प्रत अवज्जाकारी, कृतघन, अपवतिर, प्यार के बनिा, कषमा न करने वाले, नदिक, आत्म-नयितरण के बनिा, करूर, प्रेमी नहीं अच्छे, वशिवासघाती, उतावले, अहंकारी, ईश्वर के प्रेमियों के बजाय सुख के प्रेमी, जो इस प्रकार का सार है। स्वयं के प्रेमी, ईश्वर के प्रेमियों के बजाय आनंद के प्रेमी, ईश्वरत्व का एक रूप रखते हैं, लेकिन उसकी शक्ति को नकारते हैं। और ईश्वरत्व वह शब्द है जिससे हम देहातियों में देखते हैं।

और पॉल यहाँ जो कह रहा है वह यह है कि सुसमाचार एक प्रकार की ईश्वरीयता लाता है। यह ईश्वर के प्रत समरण का गुण लाता है जिसके परणामस्वरूप व्यवहार इससे बहुत अलग दिखता है। जब लोग कहते हैं कि वे क्रूस पर चढ़ाए गए और जी उठे यीशु मसीह में वशिवास करते हैं, तो इस प्रकार की वशिषताएँ उनके जीवन में अपेक्षाकृत दुर्लभ होनी चाहिए।

हम सभी शायद उनमें से कई के साथ संघर्ष करते हैं, लेकिन जैसे-जैसे हम ईसाई धर्म में बढ़ते हैं, यह हमारे जीवन की प्रमुख विशेषता नहीं होनी चाहिए। लेकिन, पॉल कहते हैं कि इसे चिह्नित करें। इसे चिह्नित करें।

इसे चिह्नित करें, ऐसा समय आने वाला है जब लोग, और मुझे लगता है कि इसमें चर्च से जुड़े लोग भी शामिल हैं, इसीलिए वह पादरी को चेतावनी दे रहे हैं। लोगों में ये सभी नकारात्मक संकेतक होंगे, और फिर भी क्योंकि वे चर्च में हैं, यह ईश्वरत्व के एक रूप की तरह है।

यह मैं ही हूँ और मैं चर्च जाता हूँ। और वे उस ईश्वरत्व की शक्त को नकार रहे हैं जिसका वे दावा करते हैं। और उनका कहना है कि ऐसे लोगों से कोई लेना-देना नहीं है।

ऐसे लोगों से बचें, और फिर वह आगे के विवरण में चला जाता है। वे ऐसे लोग हैं जो घरों में घुस जाते हैं और भोली-भाली महिलाओं पर नियंत्रण हासिल कर लेते हैं जो पापों से दबी होती हैं और सभी प्रकार की बुरी इच्छाओं से प्रभावित होती हैं।

हमेशा सीखते रहते हैं, लेकिन कभी भी सत्य का ज्ञान नहीं पा पाते। और ये वे सत्रियाँ हैं जो सत्य को कभी पहचान नहीं पाती, और वे शिक्षकों भी हैं जो उन्हें भ्रमाते हैं जो कभी सत्य को पहचान नहीं पाते। जिस प्रकार जेनसि और जाम्ब्रेस ने मूसा का विरोध किया, उसी प्रकार इन शिक्षकों ने भी सत्य का विरोध किया।

और ये यहूदी साहित्य में तब के आंकड़े हैं जब मूसा फरौन के सामने पेश हो रहा था, और विभिन्न विपत्तियाँ आ रही थीं, और जादूगरों ने उन शापों से विपत्तियों के प्रभाव पैदा करने की कोशिश की जिन्हें मूसा, परमेश्वर के नाम पर सुना रहा था। जेनसि और जाम्ब्रेस दो व्यक्तित्व थे जिनके बारे में कहा जाता था कि वे फरौन के सामने मूसा का विरोध और ईश्वर का विरोध करते थे। और वह इन लोगों की तुलना मूसा के समय के जेनसि और जाम्ब्रेस से कर रहा है।

वे भ्रष्ट दमाग के लोग हैं, जहाँ तक आस्था का सवाल है, अस्वीकार कर दिए जाते हैं। लेकिन उनका कहना है कि वे बहुत दूर नहीं जाएंगे क्योंकि उन लोगों के मामले में, यानी जेनसि और जाम्ब्रेस, उनकी मूर्खता सभी के लिए स्पष्ट होगी। तो, आइए देखें कि क्या हम कुछ अवलोकनों से इसका कुछ अर्थ निकाल सकते हैं।

इन श्लोकों में बहुत कुछ है। मंत्रालय में एक चुनौती दुनिया में पापियों की पहचान करना है। यीशु ने पापियों की पहचान की।

उन्हें पापियों का मतिर कहा जाता था, और यह कोई प्रशंसा नहीं थी। उसने बपतिस्मा लिया जो पापों की क्षमा के लिए था। उसने पापी इस्राएल से अपनी पहचान बनाई।

नहीं, उसने कभी पाप नहीं किया। उसने बपतिस्मा देने वाले यूहन्ना से कहा, मेरे बपतिस्मा की अनुमति दो, और एक अनुवाद की भाषा में, क्योंकि इस प्रकार यह हमारे लिए सभी धार्मिकता को पूरा करने के लिए उपयुक्त है। ये तो होना ही है।

मुझे अपने जीवन और मंत्रालय में परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा करने के लिए पापी इजराइल के साथ पहचान बनानी होगी। और इसलिए, हम यीशु को सामरी महिला और उन लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए देखते हैं, जिनसे कर वसूलने वालों से भी अधिक नफरत की जाती थी। वह सब वस्तुओं के महसूल लेने वालों के साथ बैठा और भोजन किया।

उन्होंने पापियों की पहचान की। लेकिन खतरा यह है कि हम उस अपवर्तिर दुनिया के अनुरूप हो गए हैं। यही खतरा है।

और मैं मंत्रियों के लिए इसके बारे में सोचता हूं। मैं एक मंत्री को जानता हूं जिसने अकेले होने के कारण आत्महत्या कर ली। वह कुछ साल पहले एचआईवी मंत्रालय में शामिल हुए थे।

इस एचआईवी समुदाय के लोगों के साथ उनके संपर्क में समझौता किया गया था। और जब उसे होश आया, तो उसे अपनी जान नहीं लेनी चाहिए थी, लेकिन यही उसकी शर्मिंदगी का समाधान था। और मंत्री, और यहाँ तक कि कोई भी जो शिष्य बनाना चाहता है, आप किस शिष्य बना रहे हैं? आप पापियों को अनुशासति कर रहे हैं।

और आप लोगों तक पहुंचते हैं और लोगों से मतिरता करते हैं। और यदि आप ईसाई हैं, तो संभवतः आप कुछ क्षेत्रों में पवित्रता में वकिसति हो गए हैं, और आप वैसे नहीं रह रहे हैं जैसे वे हैं, और खतरा यह होगा कि आप उनकी दशा में चले जाएंगे। और इसलिए, पॉल उन लोगों के चरित्र पर जोर दे रहा है जो चर्च में होते हैं और नश्चिति रूप से चर्च के बाहर प्रचलति होते हैं, और वे धर्म को प्रभावित करते हैं।

उनके पास ईश्वरत्व का एक रूप है, लेकिन वे शक्ति से इनकार करते हैं। चाहे वे चर्च में हों या चर्च के बाहर हों, इससे वास्तव में कोई फर्क नहीं पड़ता। पॉल कह रहे हैं, एक पादरी के रूप में इन्हें अपने हथियारबंद साथी मत बनाओ।

और मैं आज इसके बारे में सोचता हूं क्योंकि हमारे पास न केवल बहुत ही समस्या है, जिनमें हम चर्च में सांसारिक लोगों को कहते थे, कभी-कभी उल्लेखनीय अपवर्तिर जीवन वाले लोग भी, और फिर भी हम उनमें चर्च में पाते हैं, और वे उनकी तलाश नहीं कर रहे हैं मदद करना। वे पुष्टि की तलाश में हैं। लेकिन हमें चर्च के बाहर भी ऐसे आंदोलन मिलते हैं जो चर्च पर अपना काम नहीं करने का आरोप लगाते हैं, इसलिए वे चर्च का काम चर्च से बेहतर तरीके से करने जा रहे हैं।

मैं एक बम्पर स्टिकर के बारे में सोचता हूं, जो अब हम बहुत अधिक बम्पर स्टिकर नहीं देखते हैं, लेकिन एक बम्पर स्टिकर हुआ करता था जिसे डीड बीफोर करीड कहा जाता था। और वह कह रहा था, मैं किसी चर्च के आसपास खड़ा नहीं होऊंगा और ऐसी बातें नहीं कहूंगा जिन पर मुझे विश्वास है। जो मायने रखता है वह है बाहर निकलना और दुनिया को बदलना।

और मैं एक प्रेसबिटीरियन सेमिनरी में पढ़ाता हूं, और यदि आप संप्रदायों के विद्वान हैं, तो आप जानेंगे कि प्रेसबिटीरियन एक वरिसत का हसिसा है जिसे रफॉर्मड हेरटिज कहा जाता है, और रफॉर्मड हेरटिज चर्च के उस दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है जिसमें चर्च नहीं चाहता है दुनिया से बाहर आने के लिए, लेकिन दुनिया को बदलने के लिए। हम ईश्वर के राज्य, ईश्वर की संप्रभुता, ईश्वर की मुक्ति को दुनिया के हर कोने, हर वर्ग इंच तक फैलाना चाहते हैं। मैं सोचता हूं कि यह एक महान दर्शन है।

लेकिन समस्या यह है कि इतनी अधिक पहचान का खतरा है क्योंकि आप उस चीज़ को नहीं

बदल सकते जिसके साथ आपका कोई संबंध नहीं है। संलग्न होने के लिए, आपको संपर्क में आना होगा। फिर से, यीशु को पापियों से संपर्क करना पड़ा, लेकिन उसने खुद को उनके द्वारा गमराह नहीं होने दिया, या अपने सभी वरिधियों द्वारा आश्वस्त नहीं होने दिया, जिन्होंने बेहस की और उसे धोखा देने की कोशिश की।

आप कभी नहीं कहते, आप कुछ जानते हैं, आपके पास एक बात है। मैं अपनी स्क्रिप्ट में कुछ बदलाव करने जा रहा हूँ। वह जानता था कि किस चीज़ का समर्थन करने की आवश्यकता है, और उसने वैसा ही किया।

हम हमेशा ऐसा नहीं करते, इसलिए हमें इस सावधानी की आवश्यकता है। इसके अलावा, आप इसे पढ़ सकते हैं, इसे वाइस लसिट कहा जाता है, और प्राचीन साहित्य में, ऐसे कई लेखक हैं जिन्होंने चीजों की ये सूचियाँ लिखी हैं। आप उनका उपयोग इस बात पर करोधति होने के लिए कर सकते हैं कि लोग कितने सड़े हुए हैं, लेकिन जिस तरह से आपको इसे पढ़ना चाहिए वह नदिनात्मक है, और कहें, अंत में भोज के शिष्यों की तरह, हे प्रभु, क्या यह मैं हूँ? क्योंकि कम से कम मैं अपने आप को यहाँ-वहाँ देख सकता हूँ।

और संभवतः ईश्वर मुझे इनमें से प्रत्येक चीज़ में देख सकता है। इसलिए, हमें इनमें अपने तरीकों पर विचार करने और नदिक की तरह ईमानदार होने के लिए उपकरण के रूप में उपयोग करने की आवश्यकता है। क्या हमने हाल ही में किसी के बारे में कुछ नदिनीय बातें कही हैं? मंत्रालय में बदनामी सबसे आम पापों में से एक है क्योंकि मंत्रालय में आपको लोगों से नपिटना पड़ता है, और यदि आपके पास स्टाफ है तो आपको लोगों के बारे में बात करनी होती है, और चरित्र हत्या और उद्देश्यों के बारे में अटकलें लगाना बहुत आसान है, और तरह-तरह की गंदी बातें कह रहे हैं क्योंकि ठीक है, हमें यह व्यक्ति पसंद नहीं है।

जब आप लोगों की समस्याओं से नपिट रहे होते हैं तो अपने दृष्टिकोण और वाणी में पवितरता बनाए रखना वास्तव में कठिन होता है, क्योंकि हमारी आत्म-धार्मिकता हमें बेहतर महसूस कराती है, और जब हम अन्य लोगों को नीचा दिखाते हैं तो हम कुछ हद तक बेहतर महसूस करते हैं। वह तो सिर्फ एक उदाहरण है। हम इनमें से प्रत्येक चीज़ के बारे में पाँच या दस मिनट तक बात कर सकते हैं, और हम सभी उनके प्रतीतिने संवेदनशील हैं।

दूसरे, भगवान की कृपा और वफादार देहाती नेतृत्व, बुद्धिमान देहाती नेतृत्व, षडयंत्रकारी विश्वासघाती, जैनेस और जाम्बरेस षडयंत्रकारी विश्वासघाती लोग बनने जा रहे हैं। सुसमाचार का खंडन करने वालों और शोषकों के षडयंत्रकारी विश्वासघात को उजागर किया जा सकता है और नपिप्रभावी किया जा सकता है, और ऐसे लोगों से इसका कोई लेना-देना नहीं है। टमिथी, आप नकली ईश्वरभक्तों को पहचान सकते हैं।

इसमें कुछ वविक की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन विशेष रूप से अनुभव से हम सीखते हैं। हम सीखते हैं, और इसका मतलब यह नहीं है कि हम बदले में मतलबी बन जाते हैं। उन्होंने पहले ही कहा है, इस तरह से आप उन लोगों तक पहुँचते हैं जो सुसमाचार के वरिधी हैं, और अलग होने की जरूरत है, ऐसे लोगों से कोई लेना-देना नहीं है।

लेकिन दूसरी ओर, यहां उनके प्रभाव को उजागर करने और बेअसर करने का एक सकारात्मक मंत्रालय है। और मुझे नहीं लगता कि मैं इसके बाकी हिस्सों के बारे में बहुत कुछ कहूँगा, संविद्य इसके कि मैं 3:6 से 9 के बारे में एक बात कहूँगा क्योंकि इसका तात्पर्य है, यह एक प्रकार की व्यंजनापूर्ण भाषा है, उनका उद्देश्य घरों में अपना रास्ता बदलना और लाभ प्राप्त करना था भोली-भोली स्त्रियों पर नियंत्रण

, और फिर यहाँ मिलती है बुरी इच्छाएँ। इसका तात्पर्य व्यभिचार या किसी प्रकार की अवैध गतिविधियों से है।

और हम अपनी सांस्कृतिक स्थितिके बारे में ईमानदार नहीं होंगे यदि हम विश्व ईसाई धर्म के लिए ईश्वर की दुहाई नहीं देते, क्योंकि कतिबाँ पर दुनिया की 60% ईसाई धर्म, संख्या के अनुसार, कैथोलिक है, और दुनिया भर के कैथोलिकों को ऐसा करना चाहिए इस बात से अवगत रहें कि पौरोहित्य में कतिना यौन पाप सिद्ध हुआ है। मैं खुशी से ऐसा नहीं कह रहा हूँ, मैं बस यह कह रहा हूँ कि भगवान की नजर में कुछ बहुत ही गहराई से निंदनीय है, और हम एक हजार या दो के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, हम दसियों हजार पादरियों के बारे में बात कर रहे हैं, दुनिया भर में हाल की पीढ़ियों में, दुनिया के सबसे प्रमुख ईसाई धर्म को मानने वाले पुजारियों की संख्या। अब, मैं कैथोलिक नहीं हूँ, और मुझे कैथोलिक धर्म की शक्ति से डर लगता है क्योंकि मुझे नहीं लगता कि यह कुल मिलाकर बाइबल के अनुरूप है।

मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि कोई कैथोलिक ईसाई नहीं है, मैं सिर्फ यह कह रहा हूँ कि कैथोलिक चर्च में कई लोग हैं जो सुसमाचार नहीं सुनते हैं, और यह दुनिया के कई हिस्सों में एक सार्वजनिक घोटाला रहा है, जैसी वेटकिन ने भी स्वीकार किया है। हमारे पास पुजारियों की यह समस्या है जो लड़कों या महिलाओं के साथ इस तरह से शामिल होते हैं जैसे उन्हें नहीं होना चाहिए। लेकिन प्रोटेस्टेंट चर्चों में भी यह एक समस्या है। यह उदार चर्चों में एक समस्या है, और यह रूढ़िवादी चर्चों में एक समस्या है।

यदि आप बहुत लंबे समय से मंत्रालय में हैं, तो आपको इन स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। आप एक चर्च में होंगे, और आपको एहसास होगा कि इस चर्च में एक इतिहास है। एक चर्च कार्यकर्ता था जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ सोया था जिसके साथ उन्हें नहीं सोना चाहिए था।

कभी-कभी यह चरम होता है, कभी-कभी यह कई महिलाओं का होता है जिनका एक ही व्यक्ति के साथ या विभिन्न चर्च स्टाफ सदस्यों के साथ संबंध होता है। तो यह थोड़ा अस्पष्ट और विदेशी लगता है, और फिर हमारे पास मुसा है, और हमारे पास इस प्रकार के पौराणिक जैन और जम्बरेस हैं, और यहां बहुत कुछ है जो धुंधला है, लेकिन यह हमारे लिए बहुत, बहुत ग्राफिक है, और हम एक बहुत ही कामुक संस्कृति में रहते हैं जहां भले ही लोग शारीरिक रूप से वफादार हों, आपके पास इंटरनेट की पूरी समस्या है, और उन लोगों की ओर से पोर्न की लत की समस्या है जिनके पास बहुत समय है इंटरनेट, और इसमें बहुत सारे चर्च स्टाफ सदस्य शामिल होंगे, और वे अपने दिलों को सड़ा रहे हैं, और वे अनुपस्थिति में यौन पाप द्वारा अपने चरित्र को नष्ट कर रहे हैं। यह सिर्फ आभासी है।

लेकिन भगवान दिल को जानता है, और शायद कम से कम पश्चिम के कई क्षेत्रों में, उपदेश की शक्तिहीनता और उपदेश की तैयारी की शून्यता को लोगों द्वारा ऑनलाइन देखे जाने वाले भ्रष्टाचार के कारण होने वाली आत्मा और हृदय की पतलीता के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है। मैंने जो पढ़ा है, उसके आधार पर और यहां तक कि मिडरसा के छात्रों के बारे में भी जो मैं जानता हूँ उसके आधार पर, यह एक जबरदस्त समस्या है जो ईश्वरभक्तों का दावा करने वाले लोगों के चरित्र को कमजोर करती है। वे सेमिनरी हो सकते हैं, या वे पादरी हो सकते हैं, या वे सेमिनरी प्रोफेसर हो सकते हैं, लेकिन वे इस लत से दूर नहीं हो सकते।

वे उस शक्त को नकार रहे हैं जिसने यीशु को मृतकों में से जीवित किया। यीशु का मृतकों में से पुनरुत्थान, लेकिन मैं अश्लील साहित्य को लात नहीं मार सकता। वहां कुछ ठीक नहीं है।

तो ये एक चर्च के लिए बहुत, बहुत शक्तिशाली शब्द हैं, और आभासी दुनिया हर जगह है। मेरा मतलब है, आप उन जगहों पर जा सकते हैं जहां बजिली नहीं है, लेकिन जिन जगहों पर बजिली नहीं है, उनमें से बहुतों के पास सौर कलेक्टर हैं, और इसलिए ट्रांसमिशन लाइनें न होने के बावजूद भी उनके पास बजिली है। और मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि जिस पतन को हम पश्चिम के साथ जोड़ते हैं वह वास्तव में संपूर्ण मानवता का पतन है।

अफगानिस्तान और अन्य मुसलमि देशों में लड़कों के साथ दुरव्यवहार एक वास्तविकता है, और यह इस्लाम के कारण नहीं है, यह आदम और हवा और पाप के कारण है, और पुरुषों और महिलाओं में भ्रष्टाचार जो रूप लेता है वह गलत इच्छाओं की अभिव्यक्ति है दशानरदेश, और जब आप पुरुषों और महिलाओं के बारे में बात करते हैं, तो यह स्पष्ट है कि यह किस ओर ले जा रहा है। तो यह सब झूठे शक्ति और झूठी शक्ति से निपटने के बारे में था।

अब हम तीमुथियुस के अंतिम आरोप की ओर बढ़ते हैं, और यह अध्याय 3, श्लोक 10 से शुरू होता है। और मुझे लगता है कि हमारे पास इसे खत्म करने का समय है और अभी भी यह व्याख्यान एक प्रबंधनीय लंबाई में है। हालांकि, आप और वह सशक्त हैं।

वह प्रार्थना: व्यक्तिगत सर्वनाम का प्रयोग नहीं करता। उसे ऐसा करने की जरूरत नहीं है क्योंकि ग्रीक में क्रिया में सर्वनाम होता है। लेकिन कभी-कभी वह वास्तव में सगिमा, अपसलिनि, सु कहता है।

परन्तु तुम मेरी शक्ति, मेरे जीवन के तरीके, मेरे उद्देश्य, मेरे विश्वास, धैर्य, परेम, धीरज और उत्पीड़न के बारे में सब कुछ जानते हो। मुझे बहुत खुशी है कि उन्होंने इसे यहां नहीं डाला। कष्ट।

वह सुसमाचार के कारण अपने जीवन से जुड़ाव को एक तरह से त्याग रहा है। और वह यहाँ जो कहने जा रहा है वह यह है कि सुसमाचार ने मेरे लिए रात और दिन का अंतर बना दिया। यह जितना दर्दनाक था, मुझे इसका कारण अच्छा लगा।

अन्ताकिया, इकुनियुम और लुसत्रा में मेरे साथ जो कुछ हुआ, और जो जुल्म मुझे सहने पड़े। अब यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि उन्होंने जिन सभी स्थानों का उल्लेख किया है, वे सभी स्थान हैं जहाँ टिमोथी पले-बढ़े थे। तो, जहाँ तक हम जानते हैं, तीमुथियुस लुसत्रा में एक लड़का था।

और अन्ताकिया, वह पसिडियन अन्ताकिया है, वह सीरिया में अन्ताकिया नहीं है, रोमन प्रांत की राजधानी जिसका यरूशलेम और यहूदिया और सामरिया और डेकापोलिस और उस पूरे क्षेत्र पर नरीक्षण था। प्राचीन काल में लगभग एक दर्जन अन्ताकिया थे। तो, यह पसिदिया में अन्ताकिया है, और अन्ताकिया जो गलाटिया के रोमन प्रांत में प्रवेश द्वार की तरह था।

और इकोनियम और लुसत्रा गलातिया के इस रोमन प्रांत में थे। और यहीं पर पॉल और बरनबास ने पहली मशिनरी यात्रा पर सेवा की। और आपको अधिनियम 13 और 14 में उस पहली मशिनरी यात्रा को याद है, पॉल और बरनबास ने कुछ वर्षों तक सेवा की थी।

लेकनि जतिना अधिकि उन्होंने सेवा की, वे आराधनालयों में गए और उन्होंने यीशु का प्रचार किया और उनके बहुत अच्छे अनुयायी बन गए। लेकिन जतिना अधिकि उन्होंने सेवा की, उतना ही अधिकि यहूदी वर्णिक उनको विरुद्ध एकजुट हो गया। और आखिरकार, उन्होंने पॉल पर पथराव किया और उसे मरा हुआ समझकर छोड़ दिया।

वे उसे नगर के बाहर खींच ले गए, और उस पर पथराव किया, और कहा, हम ने उसे मार डाला है। और उनके पास हो सकता है। हम भाषा से यह नहीं जानते कि वह पुनर्जीवित हुआ था या नहीं।

लेकनि वह मृत समान था। और वह कहता है, प्रभु ने मुझे उन सब से बचाया। तो, पछिले भाग में उन्होंने दुनिया में हुई सभी बुरी चीजों के बारे में बात की है।

लेकनि अब वह शकिषण के बारे में बात कर रहे हैं। यह एक ऐसी शकिषा है जिसने उसे एक ईशान्दा करने वाले, एक हसिक व्यक्ति और एक हत्यारे से बदल दिया। वह बलिकूल उन लोगों की तरह था जिनके बारे में उसने अभी कहा था, इन लोगों से कोई लेना-देना नहीं है।

अब वह मुड़ रहा है और कह रहा है, एक संदेश है जो लोगों को बदलता है ताकि वे ऐसा जीवन जी सकें जो भगवान की महिमा करता है और मैं ए का प्रदर्शन कर रहा हूँ। और फिर वह इस श्लोक 12 में वसितारति करता है। वास्तव में, हर कोई, और ग्रीक की भाषा अधिक है, जो कोई मसीह यीशु में भक्तपूर्वक जीवने जीना चाहता है, उसे सताया जाएगा। और एनआईवी इसे थोड़ा वसितारति करता है।

जो कोई मसीह यीशु में भक्तपूर्ण जीवन जीना चाहता है, उसे सताया जाएगा। जबकि दूसरी ओर, दुष्ट और धोखेबाज बंद से बदतर होते चले जाएंगे। जो लोग बुराई करते हैं और जो लोग ईसाई होने का दिखावा करते हैं या ईश्वरभक्त होने का दिखावा करते हैं लेकिन हैं नहीं, वे धोखा देते हुए और धोखा खाते हुए बंद से बदतर होते चले जाएंगे।

लेकनि जहां तक आपकी बात है, तो यहां टमिथी बीच में है। वह ईश्वरत्व का स्वरूप उसकी शक्ति के बिना भी देख सकता है। वह दुष्टों और धोखेबाजों को बंद से बदतर होते हुए देख सकता है।

वह धोखेबाजों और धोखेबाजों को देख सकता है। और फिर वह पॉल को देख सकता है। तब वह मसीह को देख सकता है जिसने पॉल का समर्थन किया।

और उसे लगातार नरिणय लेना होगा कि मैं बाड़ के किस तरफ रहना चाहता हूँ? और पॉल कहते हैं, जहां तक आपकी बात है, यह आपको 3.10 पर वापस ले जाता है, हालांकि, लेकिन जहां तक आपकी बात है, श्लोक 14, जो आपने सीखा है और जिसके बारे में आप आश्वस्त हो गए हैं, उसे जारी रखते हैं। क्योंकि आप उन्हें जानते हैं जिनसे आपने इसे सीखा है। वे उस सम्मानति परंपरा का हसिसा थे जो ईश्वर द्वारा इब्राहीम को बुलाने और ईश्वर द्वारा डेविड से वाचा का वादा करने के लिए वापस जा रही थी।

आप जानते हैं कि आपने उन्हें किससे सीखा है और कैसे बचपन से ही आप पवित्र धर्मग्रंथों को जानते हैं जो आपको मसीह यीशु में विश्वास के माध्यम से मोक्ष के लिए बुद्धिमान बनाने में सक्षम हैं। आप जानते हैं, टोरा का वह शब्द, भविष्यवक्तियों का वह शब्द, सत्तोर का वह शब्द जैसे गाया जाता था, जैसे उसका प्रदर्शन किया जाता था, जैसे आराधनालय में प्रार्थना की जाती थी, जैसे

भोजन के समय और अनुष्ठानों के माध्यम से प्रार्थना की जाती थी पुराने नयिम के घरों में, भगवान ने खुद को बना गवाह के नहीं छोड़ा और यीशु के आने से पहले भी भगवान के लोगों के बीच कुछ अवशेष थे। वे इसराइल की सान्त्वना की प्रतीक्षा कर रहे थे।

वे परमेश्वर के वादों के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे थे और उन्हें, तीमुथियुस को, ऐसे घर में रहने का आशीर्वाद मिला था। और इसलिए, बचपन से ही, उनमें ये छुटकारे वाले सत्य शामिल थे जो आपको मसीह यीशु में विश्वास के माध्यम से मोक्ष के लिए बुद्धिमान बना सकते थे। अब, पहली मशिनरी यात्रा तक उनके पास ईसा मसीह नहीं थे।

परन्तु उनके पास परमेश्वर का वादा था जो मसीह यीशु में पूरा होने वाला था और वह उतना ही अच्छा था। उनकी आत्माएं वैसे ही बचाई गई थीं। और टिमोथी अपनी माँ और दादी के साथ इस अद्भुत परिवर्तनशील पीढ़ी में हैं।

वे ईश्वर के वादे की प्रतीक्षा कर रहे धर्मनिरपेक्ष यहूदी थे। ईसाई कह सकते हैं कि वे बच गये। उन्हें बचा लिया गया।

उनके पास हृदय थे, जैसा कि भिजन संहिता में कहा गया है, हे भगवान्, उन्होंने मेरे लिए एक स्वच्छ हृदय बनाया। उनके पास ईश्वर के वादे की शुद्धि थी और मैं ईश्वर की आत्मा में विश्वास करता हूँ। लेकिन अब मसीह आ गया है और इसलिए, आप पीछे मुड़कर मसीह के बचाने वाले मंत्रालय और उसके स्वर्गावरोहण को देख सकते हैं और पॉल पवित्रशास्त्र की शक्ति पर विचार करता है, और क्या हमें खुशी नहीं है कि यह बाइबल में है?

बाइबल के बारे में हम जो देखते हैं उसके अनुमान मात्र से यह सत्य होगा। लेकिन यह पवित्रशास्त्र की प्रेरणा के बारे में एक बहुत ही स्पष्ट कथन है। प्रेरणा उस शब्द से आती है, ईश्वर-प्रवासति, जिसका वास्तव में मतलब प्रेरति नहीं है।

इसका अर्थ है ईश्वर द्वारा साँस छोड़ना या ईश्वर द्वारा साँस छोड़ना। लेकिन विशेष रूप से लैटिन परंपरा में, इंस्पायर एक लैटिन-आधारित शब्द है। वह शब्द अंग्रेजी भाषा में आ गया और, आप जानते हैं, यह ठीक है।

लेकिन यह इस छविकी तरह ग्राफ़िक नहीं है कि एक ईश्वर है जो लोगों से समझदारी से बात करता है और वह अपने शब्द को साँस के जरिए बोलता है। अधिक जैविक नहीं हो सका, इसे देने वाले ईश्वर से अधिक जुड़ा नहीं जा सका। और यह निश्चित रूप से यह नहीं कह रहा है कि वहाँ प्रेरति लोग थे।

यह कह रहा है कि पृष्ठ पर शब्द ईश्वर द्वारा कहे गए थे। और यह संपूर्ण पवित्रशास्त्र पर लागू होता है, कुछ लोग इसकी व्याख्या करना चाहते हैं। प्रत्येक धर्मग्रन्थ जो ईश्वर से प्रेरति है, उसमें प्राण फूँके जाते हैं।

नहीं, सभी धर्मग्रन्थों को ईश्वर द्वारा लिखित रूप से लिखे गए शब्द होने का दर्जा प्राप्त है और यह सुखाने, डांटने, सुधारने के लिए उपयोगी है। प्रशिक्षण और धार्मिकता के लिए ग्रीक में कोई 'और' नहीं है।

य इसकी एक प्रकार की चौगुनी उपयोगिता है। मुझे नहीं लगता कि यह व्यापक है लेकिन यह नश्चिति रूप से प्रतनिधिक और समृद्ध है। ताकि उस परिणाम के साथ, उस परिणाम के साथ, भगवान के सेवक, तुम लड़कियों का अनुवाद हो कि भगवान का आदमी, हर अच्छे काम के लिए पूरी तरह से तैयार हो सके।

मैं इसका अनुवाद ईश्वर का आदमी करना चाहता हूं क्योंकि मुझे लगता है कि वह चाहता है कि तीमुथियुस खुद पर लागू हो और वह पहले ही 1 तीमुथियुस के अंत में उसे भगवान का आदमी कह चुका है। लेकिन एनेआईवी नहीं चाहता कि यह इतना लंबा वशिष्ट लगे और नश्चिति रूप से वहां इस शब्द का अर्थ ईश्वर का व्यक्ति भी हो सकता है। इसलिए, वे इंसान या मनुष्य के बजाय नौकर का अनुवाद करते हैं।

ताकि परमेश्वर का सेवक हर अच्छे काम के लिए पूरी तरह तैयार हो सके। हम सबसे पहले ईश्वर की कृपा से प्रेरितिकि नष्ट को देखते हैं और भविष्य के सभी शिष्यों, वशिष्टकर टिमोथी जैसे नेताओं के लिए मंदिर की सेवा करते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि श्लोक 10-11 में पॉल डींगें नहीं मार रहा है।

पॉल तीमुथियुस को याद दिला रहा है कि भगवान ने उसे किस माध्यम से लाया क्योंकि भगवान को कुछ चीजों के माध्यम से तीमुथियुस को लाना होगा और पॉल उसे प्रोत्साहित करने और उसके लिए हस्तक्षेप करने के लिए वहां नहीं होगा। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि वह जितना दर्दनाक था, टिमोथी उस पर दोबारा सोचें। और ध्यान दें कि पॉल यह नहीं कह रहा है कि आप जानते हैं कि ईसा मसीह क्रूस पर मरे थे और मैं इन सभी चीजों से गुजरा था और मेरे पास मृतकों के लिए कुछ बचा हुआ था।

लेकिन अब चर्च में यीशु हमें इससे मुक्ति दिलाने हैं। वह जो कह रहा है वह यह है कि हिर कोई जो मसीह यीशु में ईश्वरीय जीवन जीने की इच्छा रखता है, आपके लिए दुख का दिन आने वाला है। आपका अस्वीकृति का दिन आने वाला है।

शायद आपकी गरिफ्तारी का दिन आने वाला है। आपका दिन, आपका मौसम हो सकता है, कौन जानता है? कौन जानता है? दुनिया भर के उन पादरियों से पूछें जो इस समय जेल में हैं या पादरी नहीं हैं। जब मैं एक देश में था और सुरक्षा व्यवस्था सख्त हो गई तो उन्होंने मेरे अनुवादक को गरिफ्तार कर लिया।

और वह सिर्फ एक ईश्वरीय चर्च सदस्य थी। लेकिन 40 दिनों तक किसी को नहीं पता था कि वह कहां है। और यह बहुत, बहुत गंभीर था।

वह बस अनुवाद कर रही थी ताकि लोग मेरे व्याख्यानों को उस भाषा में समझ सकें। लेकिन भगवान ने उसे पास ला दिया। हम 10 और 11 पढ़ते हैं और यहां कुछ ऐसा है जिसमें हम याद रखने की आवश्यकता है और वास्तव में यह प्रेरितिकि गवाही में एक कारक है, लेकिन हम कुछ जानते हैं, हम इसे वह नाम देते हैं जिसके लिए उनके पास कोई नाम नहीं था और हम इसे PTSD कहते हैं।

अभिघात के बाद का तनाव विकार। अब मुझे लगता है कि भगवान की कृपा ने पॉल के जीवन में इतनी प्रभावशाली ढंग से काम किया कि मुझे इस बात के बहुत से संकेत नहीं दिखते कि वह एक अव्यवस्थित व्यक्ति था। लेकिन जो लोग पॉल जैसी चीजों से गुजरे हैं वे भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित हुए हैं।

और यह उन्हें मोड़ और वक्रित कर सकता है लेकिन यह बहुत गहरे ज्ञान और बहुत गहरी परामाणिकता का स्रोत भी हो सकता है। पॉल कोई पागल नहीं था, और जैसी तरह हमें गोलीबारी को रोमांटिक नहीं बनाना चाहिए, उसी तरह हमें किसी के उत्पीड़न और पीड़ा को भी रोमांटिक नहीं बनाना चाहिए क्योंकि वे दर्दनाक हैं।

और भगवान की कृपा से, हम उनसे बच सकते हैं और एक और दिन लड़ने के लिए जीवित रह सकते हैं और हम कुछ मायनों में उनके लिए बेहतर इंसान बन सकते हैं लेकिन हम उन घावों को सहन करेंगे। और मैं ऐसे लोगों के बीच रहा हूँ जिनमें यातनाएं झेलनी पड़ी हैं और आप जानते हैं कि वे बहुत ही धर्मात्मा लोग हैं और भगवान के राज में बहुत उत्पादक हैं, लेकिन वहाँ एक अंधकार है जैसी भगवान की कृपा से दूर किया जाता है लेकिन यह बेहद दर्दनाक है। और यह उन्हें गतिहीनता पक्षाघात जैसे खतरों में डाल देता है।

यदि वे स्वयं को उस स्थिति में आने दें, जिसमें वे तब थे जब उन पर अत्याचार किया जा रहा था। मैं एक मामले के बारे में जानता हूँ, ऐसी स्थिति थी जिसमें मैं सेवा कर रहा था और एक आदमी की आंखें एक तरफ जाती थीं और एक दूसरी तरफ जाती थी और आप बता सकते हैं कि कुछ गड़बड़ थी और कई बार हमारे सम्मेलनों में, वह खड़ा हो जाता था और चलिलाना शुरू कर देता था। पहले तो मैं बहुत डर गया था, लेकिन लोग उसे नीचे खींच लेते थे और उसके चारों ओर अपना हाथ रख देते थे और उससे बात करते थे।

आखिरकार, कुछ दिनों के बाद, मैंने कहा कि आप जानते हैं कि उस व्यक्ति को क्या परेशानी है? खैर, उन्होंने उसे गंभीर रूप से प्रताड़ित किया और वह वास्तव में फरि कभी नहीं हुआ। जब आप तीसरे 2 कुरिन्थियों या 3 कुरिन्थियों के अंश को पढ़ते हैं तो इसमें 2 कुरिन्थियों 11 में पद 36 के बारे में या अध्याय 12 में बताया गया है, आप देखते हैं कि पॉल को तीन बार पीटा गया था, उदाहरण के लिए 39 कोड़े। उस पर पथराव किया गया और उसे मृत अवस्था में छोड़ दिया गया।

वह बहुत सी चीजों से गुज़रा और वह उन चीजों के प्रतिविफादार रहा। भगवान ने उसे भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से बर्बाद कर दिया और उन चीजों से बाहर निकाला। लेकिन मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि यह हमें इसे गंभीरता से लेने की चुनौती देता है।

नंबर एक क्योंकि हम एक ऐसे क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ बहुत सारे ईसाई हर समय मारे जा रहे हैं और यदि आप यह सुन रहे हैं तो आप दुनिया के एक हिस्से में हो सकते हैं जहाँ ईसाइयों को गरिफ्तार किया जा रहा है और मार दिया जा रहा है और हमें पूर्ण प्रभाव हासिल करने की सख्त जरूरत है इस गवाही के बारे में कि ईश्वर हमें इसके माध्यम से लो सकता है और इसे रूमानि नहीं बना सकता है, बल्कि स्वीकार करता है कि सहना कतिनी भयानक बात है और स्वीकार करना चाहिए कि हमें साहस के लिए ईश्वर की कृपा की आवश्यकता है। हमें उन परिणामों को जारी रखने के लिए तैयार रहने के लिए ईश्वर की कृपा की आवश्यकता है जिनसे हमें डर है कि वे हमें अधिकारियों के साथ टकराव की ओर ले जा रहे हैं। यह हमारे लिए सुखद नहीं होगा लेकिन हमें एहसास है कि हमारे पास कोई विकल्प नहीं है।

हमारा प्रभु हमारा नेतृत्व कर रहा है और हम इसे आते हुए देख सकते हैं। हम वहाँ नहीं जाना चाहते लेकिन अगर ऐसा होता है तो भगवान हमें तैयार रहने में मदद करते हैं। हम दर्द के डर या पीड़ा के डर के कारण यीशु को अस्वीकार करके उसके नाम को शर्मिन्दा नहीं करना चाहते हैं।

इसलिए, मुझे लगता है कि वह इसे बताता है और मुझे लगता है कि यह टिमोथी के लिए ग्राफिक

है, खासकर यदुतिमिथी उस क्षेत्र में एक बच्चा था और उसने इसके बारे में सुना था और शायद हम नहीं जानते हैं। वह कहता है कि आप

मेरे शक्तिषण और मेरे उत्पीड़न और आपके गृह कषेत्र में मेरे साथ होने वाली घटनाओं के बारे में सब कुछ जानते हैं। शायद उसकी माँ, उसकी दादी, शायद टमिोथी, उन्होंने उसे पत्थर मारते देखा होगा।

लेकिन मुझे लगता है कथिह ग्राफकि है और मुझे लगता है कथिह भवषिय के सभी शषियों के लिए एक टेम्पलेट है, खासकर जब श्लोक 12 की बात आती है क्योंकि सिभी ईसाई अपने ईसाई जीवन में किसी समय उत्पीड़न के लेबल के योग्य वरिध के कुछ रूप और स्तर की उम्मीद कर सकते हैं। और कुछ कॉलॉगि में और कुछ सेटगिस में यह बार-बार हो सकता है, यह दीर्घकालिक हो सकता है, और यह गंभीर हो सकता है। यह जानलेवा हो सकता है।

इस बीच, बुरे काम करने वालों की समृद्धि हो सकती है। वे लोग जो ईसाई बनते हैं, वे लोग जो कुछ देशों में ईसाइयों को धोखा देते हैं जहाँ ईसाई गुप्त रूप से मिलते हैं, और फरि मुखबर हमेशा इन लोगों को ढूँढने के अवसरों की तलाश में रहते हैं क्योंकि यदि वे उनकी रीपोरट करते हैं तो उन्हें इनाम मिलता है। यह उचित नहीं लगता लेकिन यह ऐसा ही है।

अंत में, जनि धर्मग्रंथों को हम पुराने और नए नियम दोनों के रूप में जानते हैं, उन्होंने लंबे समय तक भगवान के वफादार लोगों के वचारों और जीवन को संचालित किया है। जब आप आधुनिक दुनिया को देखते हैं और उस तरिस्कार को देखते हैं जो कभी-कभी हम चर्च में धर्मग्रंथ के लिए भी देखते हैं, तो यह एक तरह से उल्लेखनीय है, धर्मग्रंथ के वे हसिसे जो चर्च को पसंद नहीं हैं, जनि के बारे में आपने कभी नहीं सुना है। या वे इसे बदल देते हैं।

मेरे पास एक कतिाब है जसिका नाम बाइबलि है, लेकिन इसका अनुवाद बाइबलि समानता समतिा ऐसी ही किसी संस्था द्वारा किया गया था। और यह कैथोलिकों का एक समूह है जो समलैंगिक और महिलाओं के समन्वय की पुष्टि करता है और उन्होंने पूरी बाइबलि का अनुवाद किया है लेकिन जैसे भगवान शब्द वहाँ नहीं आता है। यह एक बाइबलि है जहाँ शब्द नहीं हैं, वे सभी राजनीतिक रूप से सही शब्द हैं।

तो, अब हमारे पास यीशु परमेश्वर का पुत्र नहीं है और बहुत सारी चीजें हैं। वह अब भगवान नहीं है, वह कुछ और है। आधुनिक दुनिया में चर्च में बाइबलि का अवमूल्यन किया गया है, लेकिन पॉल के लिए, यह वफादार सेवा के लिए जीवन रेखा है।

तीमुथियुस को परमेश्वर के लिखित वचन के उच्च दृष्टिकोण की इस वरिसत को जारी रखना चाहिए। आप बचपन से ही धर्मग्रंथ को जानते रहे हैं। यह आपको मसीह यीशु में वशिवास के माध्यम से मुक्ति के लिए बुद्धिमान बनाने में सक्षम है।

यही कारण है कि चर्च में सप्ताह-दर-सप्ताह धर्मग्रंथों को इतना महत्व दिया जाता है और उन्हें महत्व दिया जाता है। यह कोई मृत परंपरा नहीं है। आप जानते हैं कि यह रचनात्मकता की कमी नहीं है।

ऐसा नहीं है कि हम कुछ और करने के बारे में क्यों नहीं सोच सकते? यह कोई ऐसी आकस्मिक गतिविधि नहीं है जसि पर चर्च किसी तरह अटक गया हो। यह वैसा ही है जैसे पतरस ने यूहन्ना अध्याय 6 में यीशु से कहा था जब यीशु कहते हैं, क्या तुम भी मुझे छोड़ोगे? और पतरस ने कहा, हे परभू, हम किस के पास जाएं? आपके पास शाश्वत जीवन की बातें हैं। और लोगों की मुक्ति का कोई अन्य स्रोत नहीं है।

चाहे हम शुरुआत में बात करें या चाहे हम सप्ताह दर सप्ताह बात करें, हम सभी को उसके

वचनों के माध्यम से ईश्वर के साथ ताजा संवाद की आवश्यकता है। और हमें तीमुथियुस की आवश्यकता है जो हमारे सेवक बनने के लिए गहराई से नरिदेशति और गहराई से बुलाए गए और गहराई से प्रतीभाशाली हों क्योंकि हम सभी को वचन के सेवक बनने के लिए नहीं बुलाया गया है और न ही उन्हें उपहार दिया गया है। हम सभी को शिष्य बनने के लिए बुलाया गया है और उपहार दिया गया है।

लेकिन भगवान के पास ओइकोनोमिया है। उसके पास इसके लिए एक संरचना है और उस संरचना में, हमें अपनी आत्माओं के लिए चरवाहों की आवश्यकता है। और हमें अपने मन, हृदय और जीवन के लिए शिक्षकों की आवश्यकता है।

और वे हमारे पादरी हैं। और इनका मुख्य साधन पवित्र धर्मग्रन्थ है। यह ईश्वर प्रदत्त है और लाभदायक है।

यह उपयोगी है। यह सखाने के लिए है, डांटने के लिए है। हम ऐसी बातें सुनेंगे जो हमें पसंद नहीं हैं।

यह सुधार के लिए अधिक नकारात्मक है। यह दर्दनाक है लेकिन सकारात्मक है। हमें सही किया जा रहा है।

और फ़रि ट्रेनिंग, और वह प्रशिक्षण एक बाल अनुशासन शब्द है। या हम एक जर्मन चरवाहे को प्रशिक्षित करने जैसा कह सकते हैं।

वह सुनने और करने में कुशल हो जाता है। धार्मिकता के लिए प्रशिक्षण ताकिपरमेश्वर का पुरुष या परमेश्वर की सुत्री, परमेश्वर का सेवक हर अच्छे काम के लिए पूरी तरह से तैयार हो सके। और आप जानते हैं कि उन दो छंदों में हमारे पास एक प्रकार की पवित्र कब्र है जैसी हम ईसाई शिष्यत्व के बारे में कह सकते हैं।

ईसाई शिष्यत्व का लक्ष्य क्या है? ईसाई शिष्यत्व का लक्ष्य ईश्वर के साथ इस तरह जुड़ना है कि ईश्वर के वचन के माध्यम से हम पूरी तरह से सुसज्जित हो जाएं। न केवल कभी-कभी अच्छे काम के लिए, बल्कि हर उस अच्छे काम के लिए, जो भगवान हमारे सामने रखते हैं, पूरी तरह से सुसज्जित हैं। और कभी-कभी सूची बहुत बड़ी हो सकती है।

लेकिन धर्मग्रन्थों के माध्यम से, निश्चित रूप से पवित्र आत्मा द्वारा, लेकिन तीमुथियुस जैसे ईश्वर के सेवकों द्वारा भी, हम पर्याप्त हो सकते हैं। हम उन अच्छे कार्यों के लिए पूरी तरह तैयार हो सकते हैं। और यह एक बहुत ही उच्च और मजबूत नोट है जैसा पर 2 तीमुथियुस अध्याय 3 समाप्त होता है।

यह डॉ. रॉबर्ट डब्ल्यू. यारबॉ, देहाती धर्मपुत्रों, देहाती नेताओं और उनके अनुयायियों के लिए प्रेरितिकी निर्देश पर अपने शिक्षण में हैं। सत्र 10, 2 तीमुथियुस 2:22-3:17.